न्यूक्लियर कचरे की व्यवस्था

कुछ जानकारी:

- भारत ने चक्रीय ईंधन प्रणाली को अपनाया है जिसमें इस्तेमाल किया जा चुका ईंधन कचरा नहीं माना जाता बल्कि आगे भी बिजली बनाने के लिए ईंधन के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए इसको दोबारा तैयार किया जाता है । केवल बहुत कम मात्रा में उच्च स्तरीय कचरा उत्पन्न होता है ।
- किसी न्यूक्लियर बिजलीघर से बहुत थोड़ी मात्रा में कचरा बनता है ।
- भारत के पास सभी प्रकार के रेडियेधर्मी कचरे के सुरक्षित प्रबंधन की सुविधा व अनुभव है ।

Nuclear Waste Management

Some Facts:

- **India Pursues a closed fuel cycle policy, where the spent fuel is not a waste but is reprocessed to obtain fuel for further use to generate electricity. Only a very small quantity of high level waste is generated.**
- **The waste produced by a nuclear power plant is very minimal.**
- **India has technology and experience for safe management of all types of radioactive waste.**

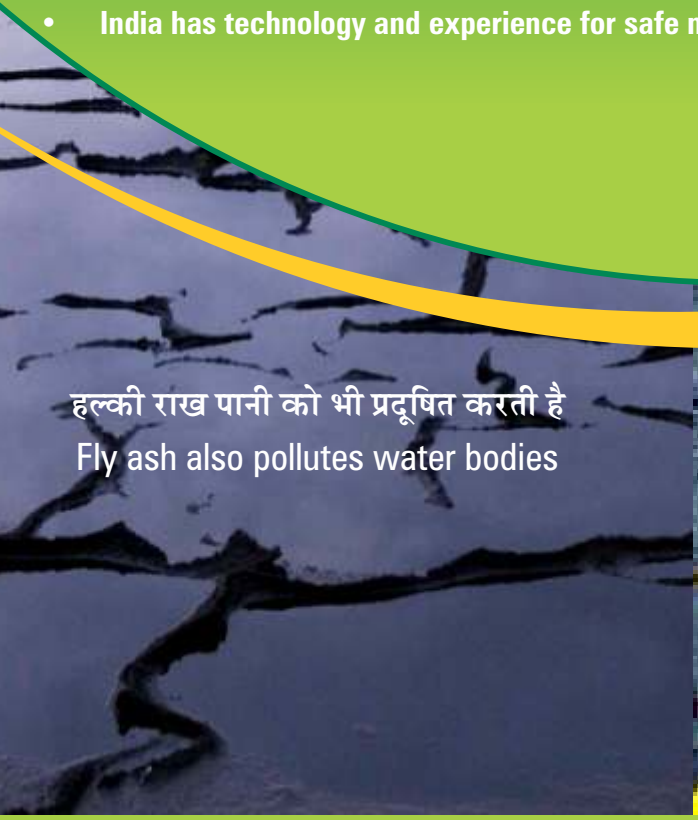

हल्की राख पानी को भी प्रदूषित करती है
Fly ash also pollutes water bodies

एक कोयला विद्युत संयंत्र द्वारा उत्पादित कचरा
Waste produced by a coal power plant

मुंबई या दिल्ली सरीखे महानगरों को एक दिन की बिजली देने के लिए किसी न्यूक्लियर बिजलीघर के इस्तेमाल किए गए ईंधन को दोबारा तैयार कर बनाए गए उच्च स्तरीय कचरे की मात्रा लगभग दो ईंट (मात्र 6 किलो) होगी ।

इतनी ही बिजली बनाने के लिए एक कोयला बिजलीघर से लगभग 20,000 टन राख बनेगी ।

The volume of high level waste generated by reprocessing of spent fuel from a nuclear power plant in a day for supplying electricity to a metro like Mumbai or Delhi would be (just 6 kg), about 2 bricks.

A coal power plant would generate about 20,000 tonnes of ash to supply the same amount of electricity.

इस्तेमाल ईंधन को इस्तेमाल ईंधन भंडार पूलों में पानी के अंदर रखा जाता है ।
Spent fuel is kept under water in spent fuel storage pool

सभी भारतीय न्यूक्लियर बिजलीघरों के पास इस्तेमाल ईंधन को प्रभावी ढंग से रखे जाने व उसकी देख-रेख करने के लिए पूरी तरह से विकसित टेक्नॉलॉजी उपलब्ध है ।

हम पूरी व्यावसायिक कुशलता से कम से कम कचरा बनाते हैं और उचित ढंग से उसका रख-रखाव करते हैं ।

- भारत में 3-चरणीय चक्रीय ईंधन चक्र प्रणाली को अपनाया जाना अनूठा है जिससे कम से कम न्यूक्लियर कचरा उत्पन्न होता है ।
- देश के पास कचरा प्रबंधन की टेक्नॉलॉजी व सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

All Indian Nuclear Power Plants have fully developed technology to store and manage spent fuel effectively

We Minimize and Manage the Waste in a Most Professional Manner:

- Adoption of 3-stage closed fuel - cycle unique to India, minimises nuclear waste.
- The country has the technologies and facilities of waste management.

एनपीसीआईएल NPCIL

प्रकाशक : निगम योजना एवं निगम संचार निदेशालय (सीपी एंड सीसी)
6-एस-14, विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई - 400 094. ई-मेल : cpcc@npcil.co.in, वेबसाईट : www.npcil.nic.in

Published by: **Directorate of Corporate Planning & Corporate Communications (CP&CC)**
6-S-14, Vikram Sarabhai Bhawan, Anushakti Nagar, Mumbai - 400094, E-mail: cpcc@npcil.co.in, Website: www.npcil.nic.in